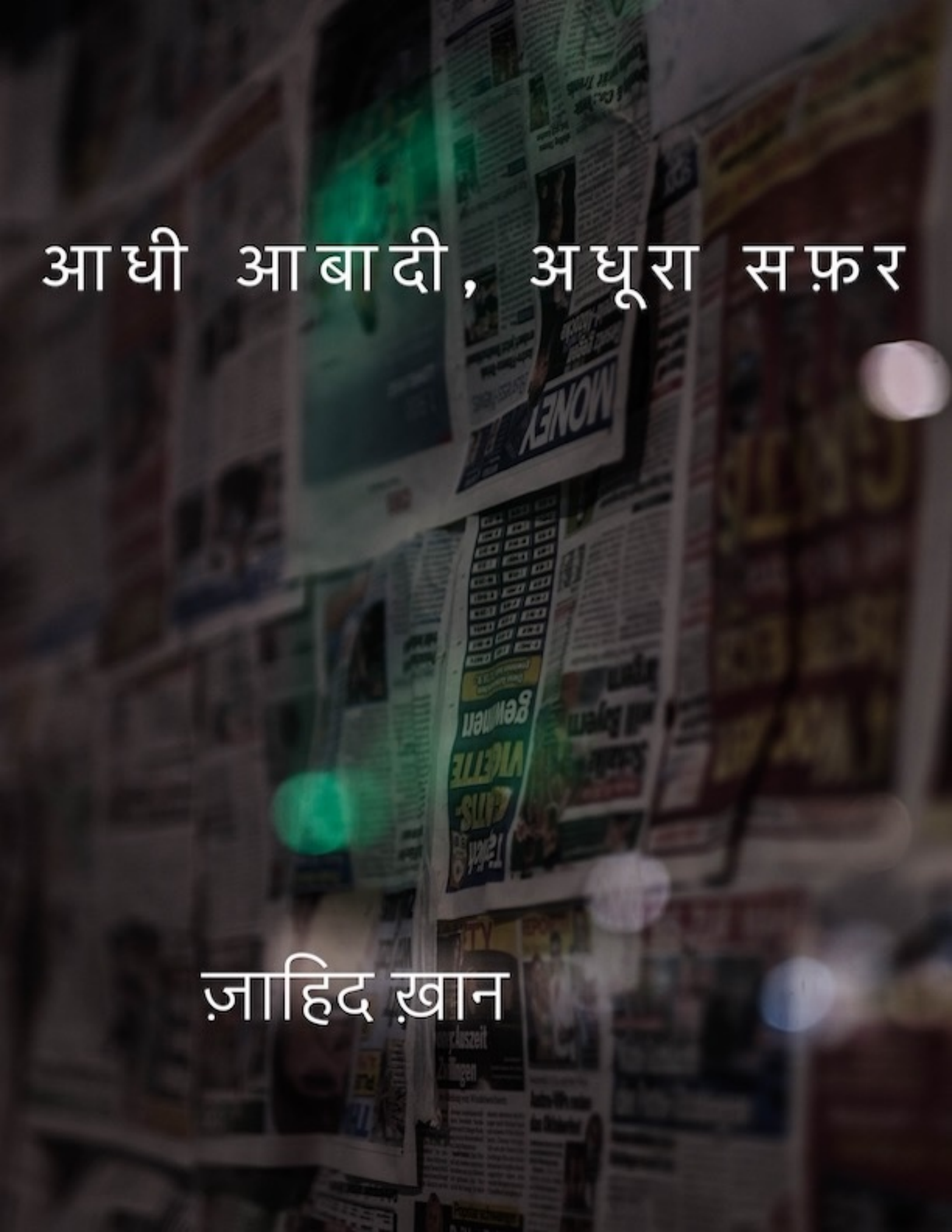

आधी आबादी, अधूरा सफ़र

ज़ाहिद ख़ान

आधी आबादी, अधूरा सफर

जाहिद खान

प्रकाशक: नॉटनल

प्रकाशन: सितंबर, 2020

© जाहिद खान

यह किताब मेरी हिम्मती, जुझारु मां साबरा बेगम,

जिंदगी की धूप-छांव में हर दम मेरा साथ निभाने वाली पत्नी वसीमा और

अपनी मुस्कराहट से जिंदगी में खुशियों का नया रंग घोल देने वाली खुशमिजाज,

प्यारी बेटी अर्शिल

के नाम.....

अनुक्रम

अन्याय, अपमान और शोषण के अनेक किस्से

कन्यादान योजना या महिलाओं के अपमान की योजना 14

स्वयंभू अदालत बनी हुई हैं, खाप पंचायतें 19

इज्जत के नाम पर ! 24

डायन के नाम पर महिलाओं को मौत की सजा 30

सख्त कानून और जागरूकता से ही रुकेगा यह अपराध 36

जवाबदेही से बच नहीं सकती छत्तीसगढ़ सरकार ? 47

जायरा का जुर्म क्या है ? 53

वृत्तचित्र पर पाबंदी, समस्या का समाधान नहीं 61

औरत कैसे रखे खुद को महफूज ? 67

देह व्यापार: सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती 72

लड़कियों को खुद जागरूक होना होगा 78

आश्रय गृह या फिर यातना गृह ? 83

लैंगिक असमानता और गैरबराबरी के कई स्तर

महिलाओं की भागीदारी से ही लैंगिक समानता का स्तर सुधरेगा 92

महिलाओं की सहभागिता से होगा आर्थिक विकास 99

संसद में महिलाओं की कब होगी उचित भागीदारी 105

महिला आरक्षण विधेयक अब पास होना ही चाहिए 110

लड़कियों को परवाज करने दो 122

मुस्लिम ख्वातीन में पर्दा: बिला वजह का विवाद 127

औरत के खिलाफ हैं-'बहुविवाह', 'निकाह हलाला' जैसी प्रथाएं 134

पत्रकारिता में महिला पत्रकारों के दरपेश समस्याएं 141

रिपोर्ट आई, अब अमलदारी का इंतजार 149

महिला सुरक्षा के प्रति कब गंभीर होंगी सरकार 154

संघर्ष से छुआ आसमान

एक बालिका वधु के संघर्ष की दास्तां 162

इस साहस को सलाम करिये 167

अवसरों का एक नया आकाश 173

तेजाब पीड़िताओं की मांगों के आगे आखिरकार झुकी सरकार 180

'मी-टू' मुहिम से अनेक आउट 184

महिला सशक्तिकरण की दिशा में

एक योजना जिसने बदल दी, महिलाओं की जिंदगी 192

महिलाओं के सशक्तिकरण में मददगार होगा महिला बैंक 196

मुसीबत में महिलाओं का सहारा बनेगा 'पैनिक बटन' 201

अनूठी पहल

बेटी बचाने के लिए एक अनूठी पहल 207

सही दिशा में उठा एक कदम 211

समाज सुधार के लिए मिठाही पंचायत जैसी पहल हो 216

विधवाओं की मांग वाजिब 221

बेअसर होते फतवे 226

चार शादियां नहीं, सिर्फ एक पर बस करो 232

महिलाओं के प्रति संवेदनशील हो पुलिस 237

मिला कानूनी कवच

ताकि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित रहे 243

लैंगिक उत्पीड़न के खिलाफ एक प्रभावकारी कानून 248

प्रसूति अवकाश विधेयक में जो संशोधन रह गये 252

ताकि दलितों और आदिवासियों के खिलाफ अत्याचार में आए कमी 257

लड़कर लिए अपने अधिकार

देवदासी कुप्रथा का अब होगा खात्मा 265

महिला और पुरुष के लिए समान अधिकार हों 271

एक फैसला औरत के हक में 277

कन्या भ्रूण हत्या पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख 283

लैंगिक समानता की दिशा में 288

खाप पंचायतों के फरमानों पर अदालत का कड़ा रुख 294

महिलाओं के लिए बनाओ सुरक्षित माहौल 299

मुस्लिम महिलाओं के हक में एक अच्छा फैसला 304

यह सजा, अपराधियों को एक सबक होगी 310

निर्भया मामले के सबक 315

सुधार की पहल समाज के अंदर से ही हो 322

हादिया को मिली अपने सपने पूरे करने की आजादी 330

ऑनर किलिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई सख्ती 335

ताकि देश में लिंगानुपात सुधरे 342

अपने शरीर पर है, औरत का अधिकार 347

चंद और बातें, जो कहना रह गईं...

साथियों, 'आधी आबादी, अधूरा सफर' के तौर पर अपनी पांचवी किताब आपको सौंपकर बेहद खुशी हो रही है। जैसा कि नाम से बजाहिर है, इस किताब में मैंने देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की समस्याओं, उनके साथ होने वाले अन्याय, लिंग के आधार पर हर क्षेत्र में होने वाले भेदभाव और संघर्षों से हासिल उनकी छोटी-बड़ी जीत से संबंधित अपने लेखों को संकलित किया है। उनकी आवाज से अपनी आवाज मिलाने की कोशिश की है। किताब में नारीवाद पर कोई शास्त्रीय विमर्श नहीं है, बल्कि छोटी-छोटी तात्कालिक टिप्पणियां या लेख हैं, जो समय-समय पर देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए और पाठकों द्वारा सराहे गए। इन लेखों को एक साथ लाने का सीधा सा मकसद यह है कि समाज, सामाजिक कार्यकर्ता, समाजविज्ञानी और हमारी सरकार सभी लोग महिलाओं की समस्याओं से रु-ब-रु हो सकें और उनकी बेहतरी के लिए मिलकर काम करें। देश की आजादी ने देखते-देखते सात दशक से ज्यादा का सफर तय कर लिया है, लेकिन हमारी आधी आबादी का सफर अब भी अधूरा है। जिंदगी के कई क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी पुरुषों से काफी पीछे हैं। महिलाओं के पिछड़ने के पीछे कोई शारीरिक कारण जिम्मेदार नहीं, बल्कि भारतीय समाज के अंदर तक पैठी वह पितृसत्तात्मक सोच है, जो महिलाओं को पुरुषों से कमतर समझती है। महज लिंग के आधार पर उसके साथ भेदभाव करती है। उसे